

DPN 5930

Title: श्री सूर्यपूजाविधि (आदित्य व्रतविधान) ŚRĪ SŪRYYA PŪJĀ VIDHI
ĀDITYA VRATA VIDHĀNA

Run. No. 6621

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि / Religious ritual

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / *न्या. के पाठ नेपालभाषा*

Size in cms. 22 x 7

Folios 12

Lines (in a page) 6

*new in numerical reading
7 digits.*

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor *विष्णु शर्मा Viśva Sharmā*

Date: NS / SS / VS / KS 752

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

↓
अंशः सूर्याय ॥ आदित्य व्रत विधान लिख्यते ॥

स्नापि / Colophon: इति दद्या आदित्य विधानं समाप्तः ॥ ॥ ॥ ...
संन ७५२ माघपद ~~सुनि~~ नव शुक्र दिवस. विहित विष्णु शर्मा

श्रीसूर्यपूजाविधेः
श्रीसूर्यपूजाविधेः

श्रीसूर्यपूजावेधने
श्रीसूर्यपूजाविधिते

६६ H. 1214 H. B.

ॐ नमः सूर्याय ॥ आदित्यवतविध्वनिलिखन ॥ ननुदोषात्तादित्य
त्वा ॥ वृत्तिप्रवृत्तिमन ॥ अद्यादि ॥ जयमानस्य आदित्यवतनिमित्तार्थवाक्य ॥ पृथक्
ऊर्ध्व ॥ ॐ सिद्धिर्नमुक्रिया ॥ न्यास ॥ अखिलमलुलाकोन ॥ ॐ असंमकुसुमवरा
प्रविभयप्रीत्युदधी आदित्यादवतासर्वार्थसिद्धार्थजयद्विनित्याग ॥ ॐ जां स
यतजाह्नलामालिनदूदद्वाराहदयायनमः ॥ ॐ बुद्धिगतजाह्नलामालिनदू
दद्वाराहलिनसनमः ॥ ॐ ह्रविष्णुवतजाह्नलामालिनदूदद्वाराहलिनकार्येव

दू ॥ ॐ ऊर्ध्वदायतजाह्नलामालिनदूदद्वाराहकवचायदू ॥ ॐ ऊर्ध्वजगत्पत
जाह्नलामालिनदूदद्वाराहमुक्रियादू ॥ ॥ मूर्ध्न्यास ॥ ॐ जां आदित्यायशं ॐ ऊ
नवयशः ॥ मुखद्विदि ॥ ॐ सः ॐ हानवशः ॥ ॐ वृत्तिराकनायशः ॥ पादया ॥ ॐ जं सूर्याय
यायकं ॥ ॥ जां लिनसि ॥ जां मुख ॥ सः गल ॥ जां द्विदि ॥ जां उदय ॥ संनाही ॥ जां द्विदि
ध्वन ॥ सः खन ॥ ॥ ननुवदार्धनी ॥ ॥ ॐ तत्ताजामि ॥ ॐ उदयस्य ॥ ॐ तत्ताजामि

नमिहलपुगगहासुवहिनहंविर्विनिर्नवैदिदेगलाकयानान्वाह
सुदभुलिर्लिखा॥ ॥ गंशुलडलयुष्वर्वांनरिःसकल्यथना॥ ॐ अद्यादियु
गिदगमित्रविवात्रथाजदसादित्यवगतयथाकरुलाकयनकातनकाल
हाडननिवृत्तिवृत्तमर्दकनिष्ठा॥ ॥ एकयुष्मासर्नमायागिनिर्नूयय
चन्दनहसुभययु॥ ॐ रुदयादिषुड्ड॥ ॥ गतश्वी॥ यूडय॥ ॐ अथा
नडाकंअनमः॥ ॐ अनाकासनामः॥ ॐ स्कन्दाय॥ ॐ नानाय॥ ॐ यद्वाय

यथा ॐ हिन ॐ न तस्य दिवा नाधाय ॥ ॐ अ हान निमि न ॐ सि नम दा या ॐ न भय तय ॥
 ॐ या निदा न रु ट नाय या ग मूरु ये ॥ ॐ य धा वा य न डा वा यो का ॐ म न य ॐ त वा ल्म न ॥
 ॐ ख वा ला य कु षि वा दा य न डा म न ॥ ॐ सु षि षि ति क कु षि गु ॐ म न पि ला व ना य ॥
 ॐ वि षु षि वा ल्म न क ॐ मि नू या य ॥ ॐ स वि कु ल कृ त न ब्रा ल धा य स वा य ॥ ॐ म ॥
 ग य रु ग क्क न ल ह ता य कि न ॐ य ॥ ॐ ग ग ल व सु न स क ॐ य या ह क क्क धि य न
 य ॥ ॐ व ॐ द ॐ दा ल्म न न डा नू या य नू न य ॥ वा म ॥ ॐ न ल का म्वा मे ॥ ॐ नू ह या ये ॥

गमय कलेस यथा वसि जल



००००००००००००



युक्ते ज्ञान



ॐ ह्युहायेश ॥ ॐ सज कृष्णयेश ॥ ॐ कृष्णायेश ॥ ॐ त्रिष्टायेश ॥ ॐ सहायेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥
 ॐ सनाथसा नमिनश ॥ ॐ काश्यायेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥ ॐ वेन नज्जायेश ॥ ॐ सलो ॥
 ॐ हृदयति ॥ य ॥ ॐ सासायेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥ ॐ वृक्षायेश ॥ ॐ वृहस्पतयेश ॥ ॐ
 ॐ कायेश ॥ ॐ जनेश्वरायेश ॥ ॐ नाहयेश ॥ ॐ कनकयेश ॥ ॐ यत्नयेश ॥ यज्ञायेश ॥ ॐ ज
 ॐ श्वासायेश ॥ ॐ वनयेश ॥ ॐ बासायेश ॥ ॐ हनूमतयेश ॥ ॐ विहीषनायेश ॥ ॐ कृष्ण
 येश ॥ ॐ यज्ञनामायेश ॥ ॐ मार्कण्डेययेश ॥ ॐ कृष्णायेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥ ॐ यमायेश ॥ ॐ न

यत्नायेश ॥ ॐ वनस्पतयेश ॥ ॐ वायव्ययेश ॥ ॐ कृष्णलायेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥
 ॐ दुर्वायेश ॥ ॐ वज्रायेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥ ॐ दण्डायेश ॥ ॐ स्वर्णायेश ॥ ॐ यागयेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥
 सायेश ॥ ॐ मदायेश ॥ ॐ त्रिभूनायेश ॥ ॐ यद्रायेश ॥ ॐ यद्रायेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥ ॐ जगन्नाथयेश ॥
 लेभयेश ॥ ॐ कर्णदण्डायेश ॥ ॐ गलकवह्निदा नागायेश ॥ ॐ गजवाहनादि ॥ ॥ व
 दन ॥ ॥ हवन्नीयत नैद वनकचदनकद मी पुनिदु सर्वे लाकव वश कृष्टिद
 लामय ॥ ॥ ग ॥ ॥ श्री स्व लुचदस्यु कं ग ॥ ॥ श्री सुमताह न विलयन सुन ॥ ॥

वीथर्थयुतिगृह्यतां ॥ सिद्धन ॥ नागसंहृतं ॥ शक्यं दिव्यकन्यालिनादुतं सिद्ध
नंदवदवसदहं गयुतिगृह्यतां ॥ नकादृतं ॥ अकृतं अकृत्याकामं धर्मकामा
र्थसाधकं ॥ श्रुतिं सवनीदहि पत्रवयवनांगतिं ॥ ॥ इयमका ॥ नकसूत्रापूर्वा
अनकचदतयुधिर्गं गृह्यलदहिमह्नातह्नातदीयदिवाकल ॥ ॥ यथा ॥ मालिका
कनदादीनां गृह्यनकाकवीधवीसोहागद्वगुनीदहि कल्यणं सर्वदहिनी ॥ ताह
न ॥ दसादित्यनमस्तुदहिमवाचिर्तुनी ॥ दगनकानियुधानि गृह्यलवयवम

न ॥ ॥ दूधाकृतं ॥ दगयुधाकृतं दवदगयुधसंमन्दिगशयसीदसवलाकल्य
करुलदारुव ॥ ॥ यद्वा ॥ यद्वायुधानिसर्वाजिसर्वकिलिषनागनीचक्रवर्णीयद
दयमादित्यीयगहिव ॥ ॥ इत्यन ॥ इत्यलदिमयादहं सर्वयुधयुधाहमं लक्ष्मी
सोहाग्यमदहि आदित्यगृह्यतां युहा ॥ ॥ दमन ॥ कंदर्पहस्तसंज्ञातं यविर्गुंद
मनं गुरुं गृह्यतां दिनानाथस्त्रीमाग्यसर्वकामदी ॥ ॥ ताश्च ॥ विदूषिणिसम
हर्तं विविधानियद्वा दगं सगुच्छरुलतामूलगृह्यतां चदिनेष्वन ॥ ॥ नैवय ॥

सिद्धीन वदसाय नदीन सवि समविर्न नमाम नड ना धय न व द्य द्यो न गृह्णा
॥ ॥ धूय ॥ धूर्प द्या ॥ लडियान दडन कंद वहा डै न साडा गिक कस रु सय ड सा
यति ॥ ॥ दीय ॥ दीया र्य दव दव स दीया र्य युति गृह्णा नाना आनि समायु दै दीया
र्य युति गृह्णा ॥ ॥ मूल मकु न पूडा ॥ धन धून का वडान क काय ॥ दण वान र्ग नि
युति ड प्रथ ॥ ॥ उं द ण दि ला द ण दि ॥ ॥ अरु ना ना कु म रु र्य वि नी ता दि ण य ॥ ॥
आयु ना ना ग्य सय द ॥ ॥ पुनू षया ड व स द्या ॥ यमि सा या ष स ॥ ॥ द ण दि ल वु न क

धौ अ व य ॥ कथा सु व ना कर्न ॥ द व गा न म स्म र्ने ॥ ॥ अ र्थ ॥ उं अ द्वा ला द क ल्या ॥
अ प्रा दि ॥ उ य मा न स द ण दि ल वु न नि मि र्थ णी सु र्यो स य नि वा ना य स ण कि
यु का य उं द म र्थ गृह्णा न द्या हा ॥ ॥ य ति क्का ॥ म ना रु ति ॥ ॥ डाय म लु ल हा ना ॥
उं न मा तु र्यो य श ॥ उं न म सु र्यो य स र्वी य य ल व द्म स र्वे यि न स द्या दि का न ना मी
न रु र्थ य नि र्गु ण य त ॥ सु द्रो ला क स व द्म ल य सु र्ग ल व न डाय म य ॥ मि न थ स र्व सा णि
स ध र्म ल व न ड व र्म वी ॥ ॥ उं गृ नू र्य म हा क ड ॥ स हां स र्व म हा व र्म आ का ष प्र नि लि ङा

